लखनऊ समेत यूपी के 17 ट्रॉमा सेंटरों में अब होगी सीटी स्कैन की सुविधा

लखनऊ (डीएनएन)। उत्तर प्रदेश में नवनिर्मित 17 जिलों के ट्रॉमा सेंटरों पर अब सीटी स्कैन की सुविधा भी मिलेगी। मार्च 2018 तक सभी ट्रॉमा सेंटरों को शुरू करने के लिए प्रदेश सरकार ने स्वास्थ्य महानिदेशक को निर्देश दिए हैं। सभी ट्रॉमा सेंटरों पर एक-एक सीटी स्कैन मशीन खरीदी जाएगी। यह आदेश विशेष सचिव अवधेश कुमार पांडे की ओर से जारी किया गया है। इन ट्रॉमा सेंटरों पर मशीनें खरीदने के लिए पीएलए खाते में रखी 21.37 करोड़ रुपए की धनराशि जारी की जा रही है। हालांकि एक मशीन खरीदने का खर्च लगभग 3.65 करोड़ है। इसके अनुसार कुल 62 से 86 करोड़ रुपए से अधिक का बजट चाहिए होगा।

- **मार्च 2018 तक प्रदेश के सभी ट्रॉमा सेंटरों को संचालित करने का सरकार ने दिया निर्देश**

सरकार की ओर से निर्देश दिए गए हैं कि यह प्रक्रिया इस वित्तीय वर्ष में ही पूरी कर ली जाए। मार्च 2018 तक इन सभी ट्रॉमा सेंटरों को पूरी तरह संचालित कर दिया जाएगा।

इन जिलों में तैयार हैं ट्रॉमा सेंटर

कानपुर नगर, बाराबंकी, हरदोई, आजमगढ़, बुलंदशहर, फिरोजाबाद, उन्नाव, सुल्तानपुर, वाराणसी, गाजियाबाद, डॉ. राम मनोहर लोहिया संस्थान व एसजीपीजीआई लखनऊ, जौनपुर, कन्नौज, सोनभद्र, बांदा, बलिया, सहारनपुर।

दुर्घटना में हो सकेगा बचाव : ट्रॉमा सेंटर होने से दुर्घटना में घायलों को बचाया जा सकेगा। इन सेंटरों पर ट्रॉमा विशेषज्ञ डॉक्टरों और डॉक्टरों की टीम की तैनाती की जाएगी। *(शेष पेज-2 पर)*

लखनऊ समेत यूपी के 17 ट्रॉमा सेंटरों में अब होगी सीटी स्कैन की सुविधा

...इसमें हड्डी रोग, न्यूरो सर्जन, आईसीयू, क्रिटिकल केयर जैसे सुपरस्पेशियलिटी विभाग होंगे।

रेडियोलॉजिस्ट की कमी सरकार के सामने बड़ा संकट : ट्रॉमा सेंटरों पर रेडियोलॉजिस्ट की कमी के चलते समस्या आ सकती है। मशीनों के लगाने के बाद भी कई ट्रॉमा सेंटरों पर विशेषज्ञों के न होने से जांच रिपोर्ट के लिए समस्या आएगी। हालांकि इनमें से अधिकांश ट्रॉमा सेंटर जिला अस्पतालों में बनाए गए हैं। ट्रॉमा सेंटरों पर अभी स्पेशलिस्ट डॉक्टरों व पैरामेडिकल स्टाफ की भर्ती प्रक्रिया भी पूरी की जानी है। सरकार संविदा पर और सीधी भर्ती के जरिए इस कमी को पूरा करने में जुटी है।